जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 242 प्रभात चूरू, सोमवार 29 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

''डार्क प्रिंस'' तारिक रहमान की वापसी को काफी संशय से देख रहा है बांग्लादेश

खालिदा ज़िया 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्र.मंत्री थीं, पर, वास्तव में सरकार चला रहे थे, उनके पुत्र तारिक रहमान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। बांग्लादेश के 'डार्क प्रिंस' तारिक रहमान, जो तीन बार की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया के बेटे और उनकी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का मुख्य चेहरा हैं, लगभग 17 साल के स्व-निर्वासन के बाद अपने देश वापस लौटे हैं।

राजनीतिक रॉयल्टी माने जाने वाले 60 वर्षीय रहमान पूर्व राष्ट्रपति ज़िया उर रहमान के बेटे हैं। वे ऐसे समय में देश में लौटे हैं, जब हालात संवेदनशील हैं और जुलाई में हुए हिंसक नागरिक विद्रोह के बाद, बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से उखाड़ फेंका गया और उनकी अवामी लीग सरकार गिरा दी गई है। हसीना अब भारत में निर्वासन में हैं और बांग्लादेश में उन्हें मौत की सज़ा दी गई है।

स्वदेश लौटने पर लाखों लोगों ने रहमान का स्वागत किया, जिनमें से कई तो बड़ी दूर से चलकर आए थे। कुछ ने रात भर ढाका की सड़कों पर झंडे लहराए और 'प्रिंस' का समर्थन करते हुए नारे लगाए। रहमान ने भी, अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता, विख्यात मार्टिन लूथर किंग के ''आई हैव अ ड्रीम'' (मेरा एक सपना है) भाषण की गूंज के साथ वापसी की और भाषण दिया।

- प्र.मंत्री खालिदा ज़िया, गण भवन (सचिवालय) में बैठती थीं तथा उनसे 6 किलोमीटर दूर हवा भवन में तारिक रहमान का दफ्तर था।
- पर, डिप्लोमैट्स (विदेशी राजदूत) इंटैलिजैंस विभाग के बड़े अफसर व पार्टी के वरिष्ठ नेतागण, जो अंदर की जानकारी रखते थे, तब भी दबी जुबान में कहने लगे थे कि तारिक रहमान का दफ्तर वाकई में पी.एम.ओ. था।
- 2006 में जब खालिदा ज़िया की सरकार गिरी तो ''प्रिंस'' के शासन की कहानियां खुलकर बाहर आने लगीं, जैसे शेख हसीना पर ग्रैनेड अटैक की प्लानिंग हवा भवन में हुई थी, प्रिंस पर आसाम के अलगाववादी ग्रुप को हथियार सप्लाई करने का भी खुला आरोप था।
- 2006 से 2008 तक खालिदा ज़िया व शेख हसीना के बीच भारी संघर्ष हुआ, चुनाव कराने के लिए, पर, रज़ामंदी न होने के कारण सेना ने सरकार संभाली। 2007 में तारिक रहमान पर भारी भ्रष्टाचार, अपहरण, मनी लॉण्डरिंग के गंभीर आरोप लगे तथा 17 महीने जेल में रहे।

पास बांग्लादेश के लिए एक योजना है।'' इस प्रकार उन्होंने 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए बीएनपी के अभियान की शुरुआत की। इस चुनाव में उनकी मां और वे, दोनों नामांकन भरेंगे, और यदि बीएनपी जीती तो रहमान अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

तारिक रहमान, असली बॉस हैं और बेशक, सत्ता से अपरिचित नहीं हैं। उनके आलोचकों की मानें तो वे देश चलाने से भी अनजान नहीं हैं।

आलोचक कहते हैं कि 2001 से 2006 तक ''डार्क प्रिंस'' असल में सत्ता के मालिक थे, जब बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश का गठबंधन सत्ता में था और तब खालिदा ज़िया प्रधानमंत्री के रूप में गणभवन में बैठी थीं।

मां और बेटे के बीच केवल छह किलोमीटर का फासला होता था।

रहमान हवा भवन से काम करते थे, एक दो-मंजिला भवन, जिसे एक वरिष्ठ अधिकारी ने कभी संदिग्ध रुप से 'विंड टनल' के रूप में वर्णित किया था। यह, कागज पर, तो उनका कार्यालय था, पर असल में, यह एक शैडो पीएमओ था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल के विवादास्पद विधायक हुमायूं कबीर का पुत्र गिरफ्तार

कोलकाता, 28 दिसंबर। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिमबंगाल में मुर्शीदाबाद जिले की भरतपुर विधानसभा सीट से विधायक और तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नेता हुमायूं कबीर के शक्तिपुर स्थित आवास पर पुलिसिया कार्रवाई से हड़कंप मच गया। आरोप है कि विधायक के सुरक्षाकर्मी (कांस्टेबल) और हुमायूं कबीर के बीच छुट्टी को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद विधायक के बेटे गुलाम नबी आजाद उर्फ सोहेल ने कांस्टेबल के साथ मारपीट की। कांस्टेबल की शिकायत पर पुलिस ने विधायक के घर छापेमारी की और उनके बेटे को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने साक्ष्य के तौर पर सीसीटीवी फुटेज भी जब्त कर ली है।

- विधायक पुत्र सोहेल ने सुरक्षाकर्मी कांस्टेबल के साथ मारपीट की, जिसका सीसी टीवी फुटेज पुलिस ने जब्त कर लिया।

हालांकि, हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि सुरक्षाकर्मी ने ही उनके साथ दुर्व्यवहार किया था और उनके बेटे ने केवल बचाव में उसे बाहर निकाला था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएसएस की तारीफ के बाद दिग्विजय सिंह ने फिर लीपापोती की

उन्होंने सफाई में कहा कि कांग्रेस एकजुट है, व नेहरु-गांधी परिवार ने दो शहादतें दी हैं

- कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने संगठन को मजबूत करने की पहल जिला स्तर व उसके नीचे के स्तर से शुरु की है । इसकी प्रक्रिया चल रही है, व जल्द पूरी हो जायेगी।

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कांग्रेसकार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से पहले शनिवार को भाजपा औ आरएसएस की संगठन शक्ति की तारीफ कर नए सियासी बवाल को जन्म दे दिया। इस मामले पर कांग्रेस दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। अब इस पूरे मामले पर दिग्विजय सिंह की ओरसे सफाई दी गई है। कांग्रेस नेता का कहना है कि हम (कांग्रेस) सब एकजुट हैं और मैं फूट डालने की भाजपा की कोशिशों की कड़ी निंदा करता हूं।

उनके बयान पर जारी सियासी घमासान के बीच रविवार को दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और नेहरू-गांधी परिवार ऐसा परिवार है, जिसने देश के लिए दो शहादतें दी हैं। नेहरू-गांधी परिवार के भीतर मतभेद दिखाने की भाजपा की कोशिशों की मैं कड़ी निंदा करता हूं। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा- राहुल गांधी ने यह पहल (संगठन को मजबूत करने की) जिला स्तर और उससे नीचे के स्तर से शुरू की है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है, यह जल्द ही पूरी हो जाएगी।

दिग्विजय सिंह के हालिया ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि ऐसा कोई सोच ही नहीं सकता कि दिग्विजय सिंह जो कहते हैं, वह कांग्रेस पार्टी के हित में न हो। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह कांग्रेस के एक मजबूत स्तंभ हैं और अगर उन्होंने किसी विशेष भाषा का इस्तेमाल किया है, तो उसके संदर्भ, लक्ष्य और उद्देश्य को समझा जाना चाहिए।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैंने संगठन की तारीफ की है। मैं संघ और मोदी का घोर विरोधी था, घोर विरोधी हूं और रहूंगा। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने संगठन में बदलावों का मुद्दा कार्यसमिति की बैठक में उठाया, दिग्विजय सिंह ने कहा- मुझे जो कहना था, कह दिया। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि क्या संगठन को मजबूत करना या उसकी तारीफ करना, क्या बुरी बात है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर आप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर मेरे कार्यकाल को देखेंगे तो पाएंगे कि मैंने विकेंद्रीकृत तरीके से काम किया। यह मेरा विचार है।

ज्ञातव्य है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी फोटो सोशल मीडिया पर साझा की थी। पीएम मोदी जमीन पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस पर तुरंत सियासी हलचलें तेज हो गईं क्योंकि दिग्विजय ने इसमें संगठन की ताकत की तारीफ की थी। उनकी पोस्ट ऐसे समय पर आई जब कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शुरू होने वाली थी।

कांग्रेस असम में 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी- गौरव गोगोई

प्रदेश अध्यक्ष गोगोई ने कहा कि असम विधानसभा की बाकी 26 सीटें सहयोगियों को दी जाएंगी

- गौरव गोगोई ने यह स्पष्ट किया कि कांग्रेस किसी भी हालत में एआईयूडीएफ जैसी सांप्रदायिक पार्टी को गठबंधन में शामिल नहीं करेगी।

तेजपुर (असम), 28 दिसंबर। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले असम विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी सीटें गठबंधन सहयोगियों के लिए छोड़ी जाएंगी। राज्य विधानसभा में कुल 126 सीट हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में एआईयूडीएफ जैसी सांप्रदायिक पार्टी को इस गठबंधन में शामिल नहीं किया जाएगा। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस राज्य की 126 सीटों में से 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी विधानसभा क्षेत्रों को आपसी बातचीत से गठबंधन सहयोगियों के लिए छोड़ा जाएगा।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व में असम के लोगों से छीनी गई गरिमा को वापस दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शांति और एकता में भरोसा रखती है, जबकि भाजपा अशांति और विभाजन की राजनीति करती है। कांग्रेस संविधान में भरोसा रखती है, जबकि भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही व्यवस्था स्थापित करना चाहती है।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने आरोप लगाया कि भाजपा योजनाबद्ध तरीके से लोगों के अधिकार छीन रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल में गरीबों को लाभ मिला था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो लोगों को वास्तविक और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए अलग कानून बनाया जाएगा।

हिंदू भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए काम करें- भागवत

हैदराबाद, 28 दिसंबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदुओं से अपील की कि वे दुनिया के कल्याण के लिए हिंदू समाज और भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करें। वे विश्व संघ शिबिर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिसमें अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

- उन्होंने हैदराबाद में विश्व संघ शिविर के समापन समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि हिंदुओं और स्वयंसेवकों को उदाहरण पेश करना होगा और यह दिखाना होगा कि इंसानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई निगम चुनाव: कांग्रेस ने वंचित बहुजन अघाड़ी से गठबंधन किया

महाराष्ट्र के बाकी 28 नगर निगमों में गठबंधन के बारे में दोनों दलों में वार्ता चल रही है

- मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की 227 सीटों पर 15 जनवरी को मतदान होगा तथा 16 जनवरी को परिणाम घोषित होंगे।

मुंबई, 28 दिसंबर। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) ने रविवार को औपचारिक गठबंधन की घोषणा कर दी।

इस गठबंधन की घोषणा महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और वीबीए नेता धैर्यवर्धन पुंडकर द्वारा संबोधित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गयी। सपकाल ने पुष्टि की कि महाराष्ट्र के बाकी 28 नगर निगमों में गठबंधन की संभावनाओं का पता लगाने के लिए चर्चा चल रही है।

बीएमसी की 227 सीटों पर हुए सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत, वीबीए 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मतदान 15 जनवरी को होना है और परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे।

सपकाल ने कहा कि यह गठबंधन साझा मूल्यों और एक सामान्य वैचारिक आधार पर आधारित है। उन्होंने इस साझेदारी को ''स्वाभाविक दोस्ती'' बताते हुए कहा कि इस गठबंधन का लक्ष्य संविधान के सिद्धांतों को आगे बढ़ ाना और प्रगतिशील राजनीति की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ भी इसी तरह के गठबंधन बनाने का इरादा रखती है।

यह घोषणा मुंबई में शिवसेना यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बीच हालिया गठबंधन के बाद हुई है।

पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में कांग्रेस की हार तय है- अमित शाह

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। दिग्विजय सिंह के कांग्रेस पार्टी को लेकर दिए बयान पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमित शाह ने गुजरात में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि राहुल बाबा को समझाने की क्षमता मुझमें भी नहीं है। जिसे अपनी पार्टी वाले नहीं समझा सकते,उसे विपक्ष में कैसे समझा सकते हैं भाई? अमित शाह ने आगे कहा कि राहुल बाबा हार से थकिये मत। आप ये जान लीजिए कि आगामी पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में कांग्रेस की हार तय है।

- उन्होंने गुजरात में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि जो जनता को पसंद है, राहुल ने हमेशा उसका विरोध किया है।

अमित शाह ने आगे कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज विद्यार्थी परिषद के प्रांत अधिवेशन का उद्घाटन करेंगे

जयपुर, 28 दिसम्बर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जयपुर प्रांत का 61वाँ प्रांत अधिवेशन 29 से 31 दिसंबर तक गुलाबी नगर जयपुर के पूर्णिमा विश्वविद्यालय परिसर में अस्थायी रूप से स्थापित महाराणा प्रताप नगर में आयोजित होगा। इस त्रिदिवसीय अधिवेशन में प्रांतभर से 700 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे,

- जयपुर पूर्णिमा विश्वविद्यालय में हो रहे तीन दिवसीय अधिवेशन में 700 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

जबकि मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम रहेंगे। अधिवेशन के मुख्य सभागार का नाम ऑपरेशन सिंदूर में शहीद भारतीय वायुसेना के सार्जेन्ट सुरेंद्र कुमार मोगा के नाम पर रखा गया है।

अधिवेशन के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, राष्ट्रीय मंत्री हर्षित स्नोमा जी एवं उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्वनी शर्मा पूरे समय उपस्थित रहेंगे। अधिवेशन का प्रमुख आकर्षण साहस एवं स्वाभिमान की प्रतीक कर्नाटक के उल्लाल राज्य की शासिका वीरांगना रानी अब्बक्का के नाम पर आयोजित भव्य प्रदर्शनी होगी, जिसमें अभाविप के प्रांत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सोनिया गांधी, नेहरू के पत्र व दस्तावेज पीएम संग्रहालय को लौटाएं'

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि वे दस्तावेज पूरे देश की विरासत हैं

- शेखावत ने कहा कि 2008 में सोनिया गांधी के पत्र के जवाब में संग्रहालय से नेहरू जी के पत्रों व नोट्स के 26,000 दस्तावेज के 57 कार्टून में उन्हें भेजे थे।

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से अपील की है कि वे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़े पत्र और दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) को वापस लौटाएं। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज किसी एक परिवार या व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की विरासत हैं। शेखावत ने कहा, कि प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना नेहरू जी के निधन के बाद हुई थी। पहले इसे नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) कहा जाता था, जिसे 2023 में बदलकर पीएमएमएल कर दिया गया। इस संग्रहालय में सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखे जाते हैं।

उन्होंने कहा कि 1970 से 1990 के बीच नेहरू जी से जुड़े गैर-सरकारी दस्तावेज, निजी पत्र, उन्हें मिले जवाब और उनकी निजी टिप्पणियां संग्रहालय में सुरक्षित रखी गई थीं। पीएमएमएल में कुल करीब 2.5 करोड़ दस्तावेज हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख दस्तावेज केवल पंडित नेहरू से जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल 2008 को सोनिया गांधी के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि एम. वी. राजन ने पत्र लिखकर नेहरू जी के निजी पारिवारिक पत्र और नोट्स वापस मांगे थे। इसके बाद संग्रहालय से करीब 57 कार्टन, जिनमें लगभग 26000 दस्तावेज थे, परिवार को लौटा दिए गए। मंत्री ने कहा, हमने इन दस्तावेजों को वापस लौटाने का अनुरोध किया है। सोनिया गांधी ने कहा है कि वह इस पर विचार करेंगी। ये दस्तावेज किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हो सकते। मंत्री ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय ने राष्ट्रीय अभिलेखागार में बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण अभियान शुरू किया है। लाखों फाइलों को डिजिटल रूप में सुरक्षित किया गया है, जो दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटलीकरण परियोजनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि देश में लाखों प्राचीन पांडुलिपियां हैं, कुछ ताड़ के पत्तों, पेड़ की छाल, रेशम और हस्तलिखित कागज पर लिखी गई हैं। इन्हें संरक्षित करना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ज्ञान भारतम् मिशन शुरू किया, जिसके तहत इन पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर एक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

दिल्ली में फिर प्रदूषण बढ़ा, एक्यूआई 400 के पार गया

- सर्वाधिक प्रदूषण आनंद विहार में 445 पर रिकॉर्ड हुआ।

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। राजधानी दिल्ली में रविवार को प्रदूषण का स्तर बढ़ने से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में चला गया। इसकी वजह से बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के अनुसार, शहर का कुल एक्यूआई 385 रहा। कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रहा, जिसमें आनंद विहार एक बार फिर 445

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

म्यांमार के 59 चिन निवासियों ने मिज़ोरम में शरण ली

आइजोल, 28 दिसंबर। म्यांमार के चिन राज्य में हाल के दिनों में हुई हिंसा की घटनाओं के कारण कम से कम 89 चिन निवासी मिजोरम में शरण लेने के लिए मजबूर हुए हैं, जिनमें सैन्य जुंटा द्वारा प्रस्तावित दो चरणों के चुनाव से पहले फलाम टाउनशिप में तीव्र सैन्य अभियानों से बचकर

- म्यांमार के चिन राज्य में पिछले दिनों लगातार हिंसा की घटनाओं के कारण यह पलायन हुआ।

भागे हुए नागरिक भी शामिल हैं।

अधिकारियों एवं ग्रामीण नेताओं ने कहा कि पहला समूह में 11 परिवारों के 47 लोगों ने 28 नवंबर से साइखुमफाई गांव के पास तियाऊ नदी को पार किया। वर्तमान में ये लोग गांव के सामुदायिक भवन में शरण लिए हुए हैं।

फलाम टाउनशिप के ह्नुम्हरंग गांव से 42 शरणार्थियों का दूसरा जत्था वाफाई पहुंचा, जहां उन्हें अस्थायी रूप से फियारातुई मिडिल स्कूल की इमारत में शरण दिया गया है।

शरणार्थियों ने कहा कि उनके गांवों पर जेट लड़ाकू विमानों, जायरोकॉप्टरों एवं ड्रोनों द्वारा समन्वित हमले किए गए, जिसके बाद जमीनी सैनिकों ने बस्तियों में प्रवेश किया, संपत्ति लूटी, पालतू जानवरों की हत्या की और घरों में आग लगा दी।